EPCH ORGANISED AN AWARENESS SEMINAR ON ECGC & MARINE CARGO INSURANCE "COVERING RISKS OF EXPORTS" IN HANDICRAFTS SECTOR AT MORADABAD ON (THURSDAY) 02/07/2015 AT EPCH OFFICE , 1B /441, BUDHI VIHAR , NEAR HERO SHOWROOM DELHI ROAD MORADABAD, 244001

The EPCH organized awareness seminar on ECGC. & Marine Cargo Insurance " Covering Risks of Exports" in Handicrafts sector at Moradabad on (Thursday) 02.07.2015. The following speakers were present during the above seminar :-

01. Shri Pradeep Kumar - Branch Manager, ECGC of India Ltd.

02. Shri Dilip Modwil - Development Officer (The new india Assurance co. Ltd.

03. Shri Naved – Ur- Rehman - C.O.A (EPCH – CR)

The objective of the seminar is to apprise the participation on the various aspect of activity of ECGC & marine insurance and further guide them in the interactive session on the practical aspects on how to avail the service of ECGC.

While Welcoming the dignitaries in his address Mr. Naved –ur Rehman referred ECGC for maintaining best database for Indian exporters. He recommended the necessity of opting for ECGC policy as desired by banks and marine policy to facilitate the exports

Mr. Dilip Modwil Development officer, the new india Assurance Co. Ltd. and Mr. Pradeep Kumar, Branch Manager, ECGC of India Ltd. made a detailed presentation on ECGC highlighting the service offered by them. More than 24 participation including members took part in the seminar. The C.O.A. Member Central Region Shri Naved -Ur –Rehman chaired the above seminar.

Mr. Pradeep Kumar informed members exporters To develop world class expertise in credit insurance among employees and ensure continuous innovation and achieve the highest customer satisfaction by delivering top quality service. To facilitate availability of adequate bank finance to the Indian exporters by providing surety insurance covers for bankers at competitive rates.

Mr. Dilip Modwil, Development officer, The new india Assurance Co. Ltd. Elaborated the subject matter of Insurance. This policy covers goods, freight and other interests against loss or damage to goods whilst being transported by rail, road, sea and/or air. Different policies are available depending on the type of coverage required ranging from an All Risk cover to a restricted Fire Risk Only cover. In Marine Insurance specific policies are issued to cover a specific single transit. Cover ends as soon as on arrival of cargo at destination. During question answer session, he also considered necessary to mention the under writing basis and documents required for claim setting procedures. He concluded his address by informing the participation about the new india assurance Co. Ltd.

What does ECGC do?

Provides a range of credit risk insurance covers to exporters against loss in export of goods and services

Offers Export Credit Insurance covers to banks and financial institutions to enable exporters to obtain better facilities from them

Provides Overseas Investment Insurance to Indian companies investing in joint ventures abroad in the form of equity or loan

How does ECGC help exporters?

Offers insurance protection to exporters against payment risks

Provides guidance in export-related activities

Makes available information on different countries with it's own credit ratings

Makes it easy to obtain export finance from banks/financial institutions

Assists exporters in recovering bad debts

Provides information on credit-worthiness of overseas buyers

What all can I get covered under insurance?

Almost everything that has a financial value in your life and has a probability of getting lost, stolen or damaged, can be covered through insurance. Property (both movable and immovable), vehicle, cash, household goods, health, dishonesty and also your liability towards others can be covered.

What does General Insurance do for me?

Accidents... illness... fire... financial securities are the things you'd like to worry about any time. General Insurance provides you the much-needed protection against such unforeseen events. Unlike Life Insurance, General Insurance is not meant to offer returns but is a protection against contingencies. Under certain Acts of Parliament, some types of insurance like Motor Insurance and Public Liability Insurance have been made compulsory.

Mr. Naved-Ur- Rehman COA EPCH, Mr. Pradeep Kumar Branch Manager ECGC & Mr. Dilip Modiwal Development Officer The New India Assurance Co. Ltd.

Participants in the seminar

Mr. Dilip Modiwal, Development Officer Encouraging to the Exporters of Moradabad

Mr. Naved-Ur-Rehman COA EPCH & Pradeep Kumar Branch Manager ECGC

HINDUSTAN, 03/07/2015

उत्पादों के पानी में भीगने पर भी निर्यातक पाएंगे क्लेम

गुरुवार को बुद्धि विहार में ईपीसीएच के सेमिनार में बोलते प्रदीप कुमार।

मुरादाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

निर्यातकों के लिए अपने उत्पादों का निर्यात करना जोखिम भरा है। समुद्री रास्ते से होने वाले निर्यात में जहाज पानी में डूब जाने की घटनाएं कई बार सामने आती हैं तो विदेश में बैठे ग्राहक उत्पादों का आयात करने के बाद किन्हीं कारणों से पेमेंट रोक देते हैं। सभी स्थितियों में निर्यातकों को बीमा की सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। गुरुवार को बुद्धि विहार स्थित कार्यालय में ईपीसीएच द्वारा आयोजित सेमिनार में निर्यातकों को इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इसमें भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम.की मुरादाबाद शाखा के प्रबंधक प्रदीप कुमार ने बताया कि विदेशी ग्राहकों द्वारा पेमेंट रोक देने के साथ ही म ल लेने से इनकार कर देने के मामले ब। बहुत ज्यादा बढ़ रहे हैं। ईसीसीजी नों ही स्थितियों में निर्यातकों को बीमा क। सुरक्षा देता है। न्यू इंडिया एश्योरेंस के फील्ड प्रबंधक दिलीप मॉडविल ने बत ाया कि निर्यातकों के लिए न केवल उनक ा माल समुद्र में डूब जाने बल्कि उत ादों के भीगकर खराब होने की स्थिति में भी बीमा की सुविधा शुरू की ई है। निर्यातकों को इसका लाभ उठाना चाहिए। सेमिनार की शुरुआत ईप सीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्य नवेदउर्रहमान ने की। इसमें मो जकी, शायावर, मो.आमिर आदि मौजू थे।

E.P.C.H; MORADABAD

AMAR UJALA 03/07/15

ईपीसीएच के सेमीनार में बोलते वक्ता। अमर उजाला

मंदी की मार से बचाने की शुरू हुई तैयारी

ईसीजीसी ने रिस्क मैनेजमेंट पर बुलाई बैठक

मुरादाबाद(ब्यूरो)। वैश्विक बाजार में मंदी की संभावना से उद्योग जगत में हलचल मची हुई है। निर्यात कारोबार पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। जिसे देखते हुए निर्यातकों विदेशों में कारोबार के रिस्क मैनेजमेंट के लेकर ईसीजीसी की ओर से बैठक बुलाई गई। उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। ईपीसीएच कार्यालय में हुई बैठक में भारतीय निर्यात ऋण निगम लिमिटेड के प्रबंधक प्रदीप कुमार ने बताया कि इस समय मंदी की संभावनाएं जताई जा रही है। जिसके लक्षण भी दिखाई देने लगे हैं। मुरादाबाद में निर्यातक और बैंक दोनों में डिफाल्टर की संख्या अचानक से बढ़ी है। ऐसे में विदेशों में व्यापार करने में रिस्क भी बढ़ा है। कारोबार को सुचारु रखने के लिए बाजार की शर्तों पर काम करना होगा। अपनी शर्तों पर बिजनेस नहीं किया जा सकता। ऐसे में उद्यमियों को अपना प्रोडक्ट को कवर करके चलना होगा। ईसीजीसी ने सभी छोटे और बड़े निर्यातकों के लिए योजनाएं शुरू की हैं। एक करोड़ रुपये तक टर्न ओवर वाली निर्यात फर्म को मात्र 25,000 रुपये में कवर मिलेगा। इसी प्रकार से अनेक योजनाएं चल रही हैं जिनके माध्यम से निर्यातक अपने कारोबार को सुरक्षित और सुचारु रूप से चला सकते हैं। बैठक में सीओए ईपीसीएएच नवेद उर रहमान सहित बड़ी संख्या में निर्यातक मौजूद रहे।

E.P.C.H; MORADABAD

DAINIK JAGRAN, 03/07/15

विदेश में बेफिक्र होकर करें निर्यात

- ईपीसीएच की मरीन कार्गो सेमिनार में ईसीजीसी ने दी जानकारी
- निर्यातकों की जिज्ञासाओं को किया दूर

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : ईपीसीएच (हस्तशिल्प निर्यात संवर्द्धन परिषद) द्वारा आयोजित सेमिनार में ईसीजीसी (भारतीय निर्यात ऋण निगम) ने विदेश में निर्यात के भुगतान की गारंटी को लेकर योजनाओं की जानकारी दी।

बुद्धि विहार स्थित ईपीसीएच कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रशासनिक कमेटी के सदस्य नवेद उर रहमान ने भी निर्यात प्रोत्साहन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विदेश में निर्यात के दौरान तमाम कारोबारियों का पैसा फंस जाता है, खरीददार बेइमान हो जाता है। निर्यातक की रकम नहीं डूबे इसलिए ईसीजीसी की पॉलिसी कराना आवश्यक है। ईसीजीसी के ब्रांच प्रबंधक प्रदीप कुमार ने कहा कि निर्यातक बेफिक्र होकर विदेश में निर्यात करें। भुगतान की गारंटी की चिंता छोड़ दें। निर्यातकों को पहले पॉलिसी लेने होगी, उसके बाद पूरी गारंटी हमारी है। निर्यातक किसी भी शर्त पर किसी भी देश में कारोबार कर सकते हैं। ईसीजीसी एक-एक पैसे का हिसाब करेगी। उन्होंने पांच करोड़ रुपये से अधिक की निर्यात धनराशि की गारंटी लेने की विभिन्न पॉलिसी की जानकारी दी। निर्यातक बोले अगर एडवांस डूब जाए तो। इस पर ब्रांच मैनेजर ने बताया कि पहले से पॉलिसी लेने पर फायदे ज्यादा हैं, हर निर्यातक के लिए कोई न कोई पॉलिसी है। लाभ बढ़ता है। न्यू इंडिया इंश्योरेंस के प्रबंधक दिलीप मोटवानी ने भी योजनाओं की जानकारी दी। निर्यातक और ईपीसीएच से जुड़े लोग मौजूद रहे।

E.P.C.H; MORADABAD